नईदुनिया

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट नजर आ रही है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये से लेकर 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 75,390 रुपये से लेकर 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 82,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 75,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत में क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की नवीन रिपोर्ट के मुताबिक क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल में भारत में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले पांच सालों में क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा होकर लगभग 10.80 करोड़ हो गई है। डिजिटल भुगतान में भी भारत में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कैलेंडर वर्ष 2013 में 222 करोड़ डिजिटल लेन-देन होते थे, जो कैलेंडर वर्ष 2024 में 20,787 करोड़ से अधिक हो गए। भारत में डिजिटल भुगतान की मात्रा में 45.9 प्रतिशत व मूल्य में 10.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़े हुए इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ पेमेंट सिस्टम और छूटी कार्ड में रूपये की वृद्धि बना रहता है। आरबीआई ने यूपीआई को दूसरे देशों की फास्ट पेमेंट सिस्टम से जोड़ने की कई कोशिशें की हैं, जिससे सीमा पार रेमिटेंस पेमेंट को बढ़ाया जा सके। भूटान, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई में क्यूआर कोड के माध्यम से भारतीय यूपीआई ऐप का इस्तेमाल करके व्यापारियों को भुगतान सक्षम किया गया है। इनोवेशन और रेगुलेटरी सपोर्ट के साथ भारत का पेमेंट सिस्टम दुनिया भर में सबसे आधुनिक में से एक बन गया है।

सेबी ने 8 यूनिट्स को फ्रंट रनिंग मामले में प्रतिबंधित किया, 4.82 करोड़ रुपये की राशि जब्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने फिर से फ्रंट रनिंग के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। सेबी ने 8 यूनिट्स को सिक्योरिटी मार्केट्स से प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्होंने फ्रंट रनिंग के कथित तौर पर 4.82 करोड़ रुपये की राशि कमाई थी। फ्रंट रनिंग एक गैरकानूनी गतिविधि है जो शेयर बाजार में होती है। इसका मतलब होता है कि किसी व्यक्ति गैर सार्वजनिक जानकारी का इस्तेमाल करके लेन-देन कर रहा है। सेबी का कहना है कि ये इकाइयां फ्रंट रनिंग के सौदों में शामिल थीं और वे अधिनियमों का उल्लंघन कर रही थीं। सेबी ने इस मुद्दे पर कार्रवाई करते हुए आठ इकाइयों को प्रतिबंधित कर दिया है। उन्हें सेक्योरिटी मार्केट्स में खरीद-बिक्री या सौदेबाजी करने से अगले आदेश तक रोक दिया है। सेबी ने कहा है कि इन इकाइयों ने गगनदीप कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के सौदों में फ्रंट रनिंग का इस्तेमाल किया था, जिससे बड़े नुकसान की संभावना थी। सेबी ने अब इन इकाइयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और उन्हें अगले कदम तक रोक लगाई गई ।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बिना लॉक-इन और एग्जिट चार्ज के निवेश का मौका

नई दिल्ली। यूटीआई म्यूचुअल फंड ने अपना नया ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 'यूटीआई निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स फंड - रेगुलर प्लान' लॉन्च किया है। यह फंड निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टीआरआई को ट्रैक करता है, जो भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन दर्शाता है। इसका उद्देश्य इंडेक्स की परफॉर्मेंस के अनुसार रिटर्न देना है, हालांकि ट्रैकिंग एरर के चलते कुछ अंतर हो सकता है। यह न्यू फंड ऑफर 28 जनवरी को लॉन्च हो गया और 10 फरवरी 2025 को बंद हो जाएगा। इस स्कीम की खासियत यह है कि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और न ही एग्जिट लोड लगेगा। इसका मतलब है कि निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, और इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। एनएफओ और प्लान्स में मिनिमम इन्वेस्टमेंट 1,000 रुपए है, जिसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट किया जा सकता है। फोलियो में दोबारा इन्वेस्टमेंट के लिए भी मिनिमम अमाउंट 1,000 रुपए है और 1 रुपए के मल्टीपल्स में आगे इन्वेस्ट किया जा सकता है। मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट की कोई लिमिट नहीं है। यूनिट्स का अलॉटमेंट एप्लिकेबल स्टांप ड्यूटी और ट्रांजैक्शन चार्जेज डिडक्ट करने के बाद ही किया जाएगा। एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के ऑप्शन्स में डेली, वीकली और मंथली एसआईपी के लिए मिनिमम अमाउंट 500 रुपए है, जबकि क्वार्टरली एसआईपी के लिए 1,500 रुपए तय की गई है।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू बाजार

आखिरी घंटे में मुनाफा वसूली के कारण ऊपरी स्तर से फिसले सेंसेक्स और निफ्टी

स्मॉल और मिडकैप शेयरों की गिरावट से निवेशकों को 1.16 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली

सोमवार को बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने जोरदार वापसी की। के कारोबार में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही, जिसके कारण दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,100 अंक से अधिक और निफ्टी 300 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे। हालांकि, आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दिन के ऊपरी स्तर पर हुई मुनाफा वसूली के कारण दोनों सूचकांक सर्वोच्च स्तर से नीचे गिर कर बंद हुए। पूरे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के अलावा रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, पावर, यूटिलिटी, इंडस्ट्रियल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर

409.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 410.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,311 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,663 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,579 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 767 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,812 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 292.83 अंक की मजबूती के साथ 75,659 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 75,622.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 1,146.79 अंक की मजबूती के साथ 76,512.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, ये सूचकांक इस ऊंचाई पर अधिक देर तक टिक नहीं सका। बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 611.55 अंक का गोता लगा कर 535.24 अंक की बढ़त के साथ 75,901.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 131.30 अंक उछल कर 22,960.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक गिर कर 22,857.65 अंक के स्तर पर आ गया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के करीब एक घंटा पहले निफ्टी 308.80 अंक की तेजी के साथ 23,137.95 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिससे निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 180.70 अंक टूट कर 128.10 अंक की मजबूती के साथ 22,957.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4.26 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.77 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.61 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.35 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 2.49 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, सन फार्मास्यूटिकल 4.55 प्रतिशत, ब्रिटानिया 2.23 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 2.22 प्रतिशत, ग्रासिम 1.90 प्रतिशत और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 1.79 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

नई दिल्ली

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी।

वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

फेडरल बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में पांच प्रतिशत घटा

निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 955 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,007 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7,725 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,593 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज आय भी बढ़कर 6,809 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,730 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत से सुधरकर 1.95 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.64 प्रतिशत से घटकर 0.49 प्रतिशत हो गया।

पेटीएम पेमेंट्स के सीईओ नकुल जैन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली

पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नकुल जैन ने इस्तीफा दे दिया है। नकुल जैन ने अपने खुद के कारोबारी सफर की शुरुआत करने के लिए अपना पद छोड़ा है। पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि पीपीएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नकुल जैन ने 31 मार्च, 2025 को कारोबारी समय समाप्त होने या आपसी सहमति से पहले की तारीख से अपने पद से इस्तीफा दिया है।

जैन ने एक उद्यमी यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि हम उनके योग्य विकल्प की तलाश कर रहे हैं। पेटीएम ने कहा कि कंपनी नए नाम की घोषणा जल्द ही करेंगी। पेटीएम को अगस्त, 2024 में पीपीएसएल में डाउनस्ट्रीम निवेश के लिए सरकार से मंजूरी मिली थी। इसके बाद कंपनी ने पीए लाइसेंस के लिए फिर से रिजर्व बैंक के समक्ष आवेदन किया है। नोएडा मुख्यालय स्थित पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) एक प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो पूर्ण-स्टैक भुगतान और वित्तीय समाधान प्रदान करती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

चीन के एआई स्टार्टअप डीपसेक के झटके ने पिछले सत्र के कारोबार के दौरान अमेरिकी टेक शेयरों को पूरी तरह से हिला दिया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट में पिछले सत्र के दौरान तीन प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,012.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 610.90 अंक यानी 3.06 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 19,343.41 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,674.64 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान

लगातार दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 8,503.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,906.58 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 112.75 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 21,282.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान, कोरिया, इंडोनेशिया और चीन के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स, कोस्पी इंडेक्स, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,902.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत उछल कर 3,811.06 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,232.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 420.59 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 39,145.21 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 1,340.03 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

डीपसीक के हमले से विश्व के अमीरों की संपत्ति में भारी गिरावट, जुकरबर्ग और बेजोस को हुआ फायदा

मुंबई । चीनी एआई डेवलपर डीपसीक ने दुनिया भर के टॉप अमीरों की संपत्ति में भारी नुकसान कर दिया है। डीपसीक के हमले के कारण अमेरिका समेत अन्य देशों की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। डीपसीक के हमले के परिणाम स्वरुप दुनिया के टॉप 500 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आ गई है। उनकी नेटवर्थ कुल मिलाकर 108 अरब डॉलर कम हो गई है। इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को हुआ है। अमेरिकी शेयर मार्केट में 3.1 फीसदी की गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अरबपतियों को भी भारी नुकसान हुआ है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभाव ओरेकल कॉर्प के को-फाउंडर लैरी एलिसन और एनवीडिया कॉर्प के को-फाउंडर जेन्सन हुआंग पर दिखा है। इन दोनों धनकुबेरों की संपत्ति में 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद भी कुछ टेक कंपनियों के अरबपति अपनी संपत्ति में इजाफा देख रहे हैं। इसके बावजूद यह हमला टेक सेक्टर के दिग्गजों को 94 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचा चुका है।